श्रुत आराधक भाग – 3, ओपन बुक प्रश्न (1) (50 अंक)

आगम (उत्तराध्ययन सूत्र अध्ययन-1)

I. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. नाइउच्चे व णीए वा, ...।
   ....., पडिगाहेज्ज संजए।।
2. वित्ते अचोइए निच्चं, ...।
   ....., किच्चाइं कुव्वई सया।।
3. वरं मे अप्पा दंतो, ...।
   ....., बंधणेहिं वहेहि य।।
4. मुसं परिहरे भिक्खू, ...।
   ....., मायं च वज्जए सया।।

II. नीचे दिए हुए गाथाओं में से अगर कोई पद गलत हो तो, उसे रेखांकित करें और कोष्ठक में 'गलत' लिखिए। अगर गाथा सही हो तो कोष्ठक में 'सही' लिखिए।

5. तमायरंतो वायाए, गरहं नाभिगच्छई ( )
6. स देव- गंधव्व-मणुस्सपूइए, मणोरुई देहं मल-पंक-पुव्वयं ( )
7. न लवेज्ज पुट्ठो सावज्जं, न मम्मयं न निरट्ठं ( )
8. नाइदूर- मणासण्णे, णाण्णेसिं चक्खु महापहे ( )
9. पुत्तो मे भाइ णाइ त्ति, साहू कल्लाण मन्नइ ( )

III. मैं कौन-सा चरण हूं ? (पहला/दूसरा/तीसरा/चौथा)

(10) दुक्कडस्स य चोयणं (11) अप्पा दंतो सुही होइ
(12) न निक्कसिज्जइ कण्हूई (13) आणा-णिद्देसकरे

सही उत्तर (10) ..... (11) ..... (12) ..... (13) .....

गुणस्थान-स्वरूप का थोकड़ा

IV. सही जोड़ी मिलाइए (योग-उपयोग-हेतु द्वार संबंधित)

	गुणस्थान	योग-उपयोग-हेतु	सही उत्तर (A/B/C/D/E/F/G)
14.	पांचवां	(A) 10 योग	.....
15.	सांतवां	(B) 12 योग	.....
16.	पहला	(C) 3 उपयोग	.....
17.	तेरहवां	(D) 11 योग	.....
18.	तीसरा	(E) 22 हेतु	.....
		(F) 2 उपयोग	.....
		(G) 55 हेतु	.....

IV. **आगति व गति मार्गणा की संख्या बताइए। जैसे पहले गुणस्थान की आगति मार्गणा की संख्या 5 है और गति मार्गणा की संख्या 5 है।**

19-23	आगति मार्गणा	गुणस्थान	गति मार्गणा
		(2)	
		(6)	
		(3)	
		(9)	
		(13)	

VI. **सही विकल्प चुनिए -**

24. आठवें गुणस्थान का निमित्त क्या है ?
(A) संज्वलन चतुष्क का क्षयोपशम (B) संज्वलन चतुष्क का उपशम
(C) संज्वलन चतुष्क का क्षय (D) इनमें से कोई नहीं ( )

25. दूसरे गुणस्थान का जघन्य अन्तर कितना है ?
(A) अन्तर्मुहूर्त (B) 1 समय
(C) पल्योपम का असंख्यात्वां भाग (D) इनमें से कोई नहीं ( )

26. इनमें से कौनसे गुणस्थान वाले परस्पर तुल्य हैं ?
(A) 11वें व 12वें (B) 7वें व 8वें (C) 6ठे व 7वें (D) 9वें व 10वें ( )

27. ग्यारहवें गुणस्थान में एक साथ अधिक से अधिक कितने परीषह वेदते हैं ?
(A) 14 (B) 12 (C) 11 (D) 9 ( )

28. सातवें गुणस्थान में कौन-सा ध्यान पाया जाता है ?
(A) शुक्लध्यान (B) आर्त्तध्यान (C) रौद्रध्यान (D) धर्मध्यान ( )

VII. **सही या गलत लिखिए -**

29. दूसरे गुणस्थान से पांचवें गुणस्थान वाले जीव असंख्यात गुण हीन होते हैं ? ( )
30. चौथे गुणस्थान का उत्कृष्ट अन्तर 66 सागरोपम झाझेरी हैं ? ( )
31. बारहवें गुणस्थान में 9 हेतु पाए जाते हैं ? ( )
32. चौथे गुणस्थान में 19 दण्डक पाए जाते हैं ? ( )
33. दूसरे गुणस्थान में दर्शनत्रिक का उपशम एवं अनन्तानुबंधी चतुष्क का उदय निमित्त है ? ( )

नवाचार्य जीवन (1-7 आचार्य)

VIII. **9 आचार्य में से कौन से आचार्य पहचानिए ?**

34. आचार्य चौथमलजी म.सा. ने एक गण का नेतृत्व किस आचार्य की मात्र 24 वर्ष की वय में प्रदान किया था ?

35. किस आचार्य ने बालोतरा, जैतारण इत्यादि अनेक स्थानों पर शास्त्रार्थ करके सत्य जैन धर्म की ध्वजा फहराई एवं जैन धर्म के नाम पर मिथ्या मत का प्रचार करने वालों को बोध दिया ?

36. ब्यावर चातुर्मास संवत् 1967 में भिनाय के पण्डित बिहारीलाल शर्मा ने किस आचार्य को संस्कृत पढ़ाना स्वीकार किया ?

37. श्री साहेबलालजी मारु एवं श्रीमती इन्द्राबाई मारु किस आचार्य के पिता-माता थे ?

38. जावद में किस आचार्य को युवाचार्य पद का प्रतीक रूप चादर ओढाई गई ?

39. किस आचार्य ने निरन्तर 33 वर्षों तक एकान्तर तप किया ?

40. किस आचार्य के नाथद्वारा विराजते हुए प्रवचन के समय ही आकाश से चांदी के सिक्कों की वर्षा होने लगी ?

41. संवत् 1908 चैत्र शुक्ला एकादशी को पूज्य श्री हुक्मीचन्दजी म.सा. के चरणों में किसने पुन: दीक्षा ग्रहण की ?

गृहस्थ धर्म-भाग-1 (पृष्ठ 11-93)

IX. सही विकल्प चुनिए -

42. श्रावक के कितने मूल भेद बताए हैं ? शास्त्रकारों ने उन मूल भेदों के कितने भेद बताए हैं ?

(A) 5, 32 (B) 5, 24 (C) 8, 32 (D) 8, 24 ( )

43. परपाखण्डप्रशंसा में पाखण्ड शब्द का क्या अर्थ लिया है ?

(A) व्रत (B) दंभ (C) आडंबर (D) इनमें से कोई नहीं ( )

44. सिद्ध, बुद्ध और मुक्त होने का जो महामार्ग बतलाया है, उस मार्ग पर जाने का प्रवेश द्वार क्या है ?

(A) श्रद्धा (B) उत्साह (C) दृढ़ता (D) इनमें से कोई नहीं ( )

45. किस सूत्र में कहा है- 'ज्ञान दर्शन से सम्पन्न तथा संयम और तप में निरत आचार्य जब किसी नगर के उद्यान में पधारते हैं तो राजा, राजमंत्री, ब्राह्मण आदि पूछते हैं कि आपका आचार क्या है ?'

(A) उत्तराध्ययन सूत्र (B) दशवैकालिक सूत्र

(C) उपाशकदशांग सूत्र (D) इनमें से कोई नहीं ( )

X. सही या गलत -

46. शास्त्र कहता है कि उन सिद्धांतों में तो कभी संदेह नहीं करना, जिनमें तपस्या, अहिंसा और क्षमा बताई है ? ( )

47. जिद न हो, पर निर्णय भी न हो तो अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व कहलाता है ? ( )

48. क्षेत्र और काल दोनों का अन्त होता है एवं भूतकाल, भविष्यकाल दोनों अनन्त हैं ? ( )

49. शंका या संशय का प्रादुर्भाव श्रद्धापूर्वक और अश्रद्धापूर्वक दोनों प्रकार से होता है ? ( )

50. जिसमें गुरु के लक्षण नहीं है, उन्हें अनुकम्पा-भाव से व धर्मभाव से दान देने का निषेध शास्त्र में बताया है ? ( )

नोट : इस ओपन बुक 1 के प्रश्नों के सही उत्तर 5 मार्च, 2018 के श्रमणोपासक अंक में दिये जाएेंगे।

दृढ़ निश्चय एवं तदनुसार आचरण ही सफलता की कुंजी है। किसी भी तरह की आपत्ति से लेशमात्रा भी नहीं घबराना चाहिए। आपत्ति को आपत्ति न मानकर जीवन-विकास की साधन-सहचरी मानना चाहिए।

– नानेशवाणी, गहरी पर्त्त के हस्ताक्षर

श्रमणोपासक